APPENDIX- B_1

Scoring Key of Academic Motivation Test

Item	Alternative responses				
	A	B	C	D	E
1	4	3	2	1	
2	4	3	2	1	
3	4	3	2	1	
4	4	3	2	1	
5	4	3	2	1	
6	4	3	2	1	
7	4	3	2	1	
8	5	4	3	2	1

Note: Only item no. 8 has five alternatives.

APPENDIX-E$_1$

Scoring Key of the Orientation Inventory

Item	Task	Self	Interaction
1	b	a	c
2	c	a	b
3	b	a	c
4	c	a	b
5	b	c	a
6	b	a	c
7	a	c	b
8	b	c	a
9	b	a	c
10	b	c	a
11	b	a	c
12	b	a	c
13	b	a	c
14	c	a	b
15	b	c	a
16	b	c	a
17	a	b	c
18	b	c	a
19	c	b	a
20	c	b	a
21	c	a	b
22	b	a	c
23	b	a	c
24	a	c	b

Note; Scale Values

Marked most 3 points
Unmarked 2 points
Marked least 1 point

(Source: Jha,1977)

APPENDIX-F_1

Scoring Key for n-Ach Test (Mukherjee,1969)

Item	Correct responses	Item	Correct responses	Item	Correct responses
1	c	18	c	35	b
2	b	19	b	36	a
3	a	20	b	37	b
4	b	21	a	38	b
5	a	22	b	39	a
6	b	23	a	40	b
7	c	24	c	41	a
8	b	25	a	42	c
9	c	26	c	43	c
10	a	27	a	44	a
11	c	28	c	45	c
12	c	29	b	46	b
13	a	30	c	47	c
14	a	31	b	48	b
15	b	32	b	49	c
16	b	33	a	50	b
17	c	34	a		

Note : One scoÞe for one correct response and zero for wrong answer.

APPENDIX-A

व्यक्तिगत सूचना

नाम.................. क्लास.................. रोल न०.................. स्कूल.................. आयु..................

वैवाहिक स्थिति — विवाहित/अविवाहित।

आपके जीवन का अधिकांश हिस्सा कहाँ बीता है ? शहर/गाँव। भाई-बहनों की संख्या..................

भाई बहनों में आपका स्थान—१ला, २रा, ३ रा, ४था, ५वाँ, ६ठा, ७वाँ, ८वाँ, ९वाँ, १०वाँ।

आपकी जाति.................. । आपका सामाजिक स्तर— उच्च/मध्य/निम्न।

क्या आप अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के हैं ? अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति

पिता की शिक्षा........पिता का व्यवसाय..........पिता की मासिक आय (सभी श्रोतो को मिलाकर)

५०० रु० से कम / ५०१—१५०० रु० / १५०१—२५०० रु० / २५०१—३५०० रु० / ३५०० रु० से ज्यादा

शोधकर्त्ता द्वारा भरा जाना है।

वर्ग VIII IX X औसत HA/LA

प्राप्तांक :

APPENDIX-B

खण्ड—१

निर्देश

आपकी पढ़ाई-लिखाई के सम्बन्ध में नीचे अनेक प्रश्न पूछे गए हैं। हर प्रश्न के बाद कई उत्तर दिये गए हैं। प्रत्येक प्रश्न को ध्यान से पढ़ें और दिए गए उत्तरों में से जो उत्तर आपको अपने लिए सबसे अधिक सही मालूम पड़े उसकी बायीं ओर छपे हुए अक्षर (क०, ख०, ग०, इत्यादि) को एक वृत्त (O) बनाकर घेर दें।

आप अपने बारे में जैसा महसूस करते हैं वैसा ही बिना किसी संकोच के व्यक्त करें। विश्वास रखें कि आपके द्वारा दिए गए उत्तरों को कोई दूसरा व्यक्ति नहीं जान पायेगा। कृपया सभी प्रश्नों के उत्तर अवश्य दें।

१. परीक्षाओं में आप जो नम्बर प्राप्त करते हैं उन्हें आप अपने लिए कितना महत्वपूर्ण समझते हैं ?
(क) बहुत महत्वपूर्ण / (ख) महत्वपूर्ण / (ग) कोई खास महत्वपूर्ण नहीं / (घ) मेरे लिए नम्बर का कोई महत्व नहीं।

२. परीक्षा में दूसरे विद्यार्थियों से अधिक नम्बर लाना आप अपने लिए कितना महत्वपूर्ण समझते हैं ?
(क) बहुत महत्वपूर्ण/(ख) महत्वपूर्ण/(ग) कोई खास महत्वपूर्ण नहीं/(घ) मेरे लिए अधिक नम्बर का कोई महत्व नहीं।

३. जब परीक्षा में आप उतना अच्छा नहीं करते जितना अच्छा करने लायक आप अपने को समझते है, तो कैसा लगता है ?
(क) बहुत बुरा लगता है/(ख) बुरा लगता है/(ग) कोई खास बुरा नही लगता/(घ) इसकी मुझे परवाह नही होती।

४. दूसरे विद्यार्थियों की अपेक्षा पढ़ाई-लिखाई में अधिक अच्छा करना आप अपने लिए कितना महत्वपूर्ण समझते हैं ?
(क) बहुत महत्वपूर्ण / (ख) महत्वपूर्ण / (ग) कोई खास महत्वपूर्ण नहीं / (घ) मेरे लिए इसका कोई महत्व नहीं ?

५. निम्नलिखित बातों में से कौन आपके लिए सबसे अधिक सही है।
(क) मैं सभी विद्यार्थियों से अधिक नम्बर पाना चाहता हूं।
(ख) मैं अधिकांश विद्यार्थियों से अधिक नम्बर पाना चाहता हूं।
[ग] मैं अधिकांश विद्यार्थियों के बराबर नम्बर पाना चाहता हूं।
[घ] मैं अधिक या कम नम्बर लाने की परवाह नहीं करता हूं।

६. स्कूल की परीक्षाओं में क्या आप दूसरे विद्यार्थियों से अच्छा करने की कोशिश करते है ?
[क] हमेशा / [ख] अधिकतर / [ग] कभी-कभी / [घ] कभी नही।

७. स्कूल में दूसरी सभी बातों की अपेक्षा अच्छे नम्बर लाना आप अपने लिए कितना महत्वपूर्ण समझते हैं ?
[क] अच्छे नम्बर लाना स्कूल में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।
[ख] अच्छे नम्बर लाना स्कूल की अन्य महत्वपूर्ण चीजों में एक है।
[ग] स्कूल की कुछ दूसरी बातें अच्छे नम्बर से अधिक महत्वपूर्ण हैं।
[घ] अच्छे नम्बर का मेरे लिए कोई महत्व नहीं है।

८. स्कूल में आप प्रायः किस श्रेणी [Division] के नम्बर पाने की कोशिश करते है ?
[क] प्रथम श्रेणी में भी बहुत ऊंचे नम्बर। [ख] प्रथम श्रेणी के नम्बर। [ग] द्वितीय श्रेणी के नम्बर।
[घ] तृतीय श्रेणी के नम्बर। [ङ] मैं किसी श्रेणी के नम्बर के लिए कोशिश नहीं करता।

APPENDIX-C

खण्ड—३

निर्देश

यहाँ पर विद्यार्थी–समुदाय के विचार के मूल्यांकन का प्रयत्न किया गया है। यह पता लगाने की कोशिश की गई है कि वे कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में क्या करना चाहते हैं। नीचे हमारे व्यवहार प्रतिरूपों [Behaviour Pattern] से संबंधित कुछ कथन दिये गये है। प्रत्येक कथन को ध्यान देकर पढ़ें और अन्दाज लगायें कि किस हद तक प्रत्येक कथन से आप सहमत हैं। अपनी सहमति बताने के लिए प्रत्येक कथन के साथ दी गई समुचित संख्या को एक वृत्त से घेर दें।

आपके विचार पूर्णतः गुप्त रखें जायेंगे इसलिए आप बिना किसी संकोच के अपने बिचार व्यक्त करें।

	कथन	बहुत अधिक हद तक लागू	बहुत हद तक लागू	कुछ हद तक लागू	बहुत कम लागू	कुछ भी नहीं लागू
1	शिक्षक की उम्मीद से अधिक अध्ययन करता हूं।	5	4	3	2	1
2	शैक्षणिक सफलता के लिए पुरस्कार या इनाम जीता हूं।	5	4	3	2	1
3	अध्ययन में उपयोगी पुस्तकें पढ़ता हूं।	5	4	3	2	1
4	शिक्षा की तुलना में धन को सदा कम महत्व देता हूं।	5	4	3	2	1
5	सदा प्रथम आने का प्रयत्न करता हूं।	5	4	3	2	1
6	चतुराई प्रदर्शित करने वाले महत्वपूर्ण काम करता हूं।	5	4	3	2	1
7	जबतक उद्देश्य की पूर्ति न हो जाय चैन महसूस नहीं करताहूं।	5	4	3	2	1
8	अध्ययन-संबंधी प्रत्येक काम को स्पर्धात्मक उत्साह से करता हूं।	5	4	3	2	1
9	मित्रों के साथ अपनी वैयक्तिक समस्यायों की चर्चा करता हूं।	5	4	3	2	1
10	मित्रों के लिए लाभकारी रचनात्मक कार्य करता हूं।	5	4	3	2	1
11	मित्रों के मानदण्ड (norms) का चुस्ती से पालन करता हूं।	5	4	3	2	1
12	हर कीमत पर सामान्य उद्देश्य के लिए प्रयत्न करता हूं।	5	4	3	2	1
13	मित्रमंडली के निर्णय का स्वागत करता हूं।	5	4	3	2	1
14	मित्रमंडली के कार्य को अपना ही कार्य के जैसा करता हूं।	5	4	3	2	1
15	मित्रमंडली के खिलाफ कोई आचरण नही करता हूं।	5	4	3	2	1
16	सदा मित्रमंडली के साथ चलता हूं।	5	4	3	2	1
17	कभी-कभी ऐसे कार्य भी करता हूं कि लोगों को आश्चर्य हो।	5	4	3	2	1
18	वर्ग में शिक्षकों के विचारों का विरोध करता हूं।	5	4	3	2	1
19	समाज के रश्म-रिवाजों को तोड़ता हूं।	5	4	3	2	1
20	गुरुजनों के आदेशों का विरोध करता हूं।	5	4	3	2	1
21	धर्म का मजाक उड़ाता हूं।	5	4	3	2	1
22	नैतिक नियमों को तोड़ने मे कोई हर्ज महसूस नहीं करता।	5	4	3	2	1
23	मैं वैसा काम करता हूं जिसे करने में दूसरे भय खाते हैं।	5	4	3	2	1
24	स्कूल के नियमों का उल्लंघन करने मे नहीं हिचकता।	5	4	3	2	1
25	अपने अध्ययन की योजना मै स्वयं बनाता हूं।	5	4	3	2	1
26	अपने काम मे दूसरों की राय को महत्व नही देता।	5	4	3	2	1
27	शिक्षक के विचारों से प्रायः असहमत रहता हूं।	5	4	3	2	1
28	अपना प्रत्येक काम स्वतन्त्र रूप से करता हूं।	5	4	3	2	1
29	भीड़ के भावावेश से प्रभावित हुए बिना अपने विचारों पर अडिग रहता हूं।	5	4	3	2	1
30	व्यक्तिगत समस्यायों का समाधान स्वयं करता हूं।	5	4	3	2	1
31	अपने काम की जवाबदेही अपने ही ऊपर लेता हूं।	5	4	3	2	1
32	किसी की बात को बिना जांचे कभी विश्वास नही करता।	5	4	3	2	1

खण्ड—४

इस प्रश्नावली द्वारा व्यक्ति के विचार विभिन्न विषयों पर जाने जा सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न में एक विशिष्ट घटना का उल्लेख है। हम उस घटना के घटित होने की संभावना पर आपके विचार जानना चाहते हैं। प्रत्येक घटना इस रूप में दी गइ है कि जिसमें उसके घटित होने की संभावना १००% (प्रतिशत) में कितनी है, यह आपको बतलाना है। अत: आपके निर्णय के अनुसार यदि किसी घटना के घटित होने की संभावना बहुत अधिक हो तो १०० के आस-पास की कोई संख्या लिखें। यदि घटित होने की सम्भावना बिल्कुल ही नहीं हो तो संख्या शून्य के आसपास की होनी चाहिए और यदि आपके निर्णय के अनुसार घटना के घटित होने की सम्भावना न तो अधिक हो और न कम तो ५० के आसपास की संख्या लिखें।

हम चाहते है कि आप यह भी बतलायें कि आपने जो निर्णय दिया है उसके प्रति आप कितने निश्चित है। अत: प्रत्येक घटना के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त करने के बाद अपने निर्णय की दृढ़ता बतलाने के लिए दिए गए पांचों विकल्पों मे से किसी एक को घेर दें।

कृपा कर किसी प्रश्न को छोड़ें नहीं।

१ — प्रत्येक वयस्क हिन्दुस्तानी को साल भर में कम-से-कम ५,०००/— रूपये कमा लेने की सम्भावना १०० में······ है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

२ — बचपन मे अंगूठा चूसनेवाले बच्चों के दांत खराब होने की सम्भावना १०० में······ है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

३ — सिगरेट पीने से कैंसर की सम्भावना १०० मे······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

४ — हाई स्कूल की परीक्षा पास करके विद्यार्थी का कॉलेज में प्रवेश पाने की सम्भावना १०० मे ···· है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

५ — किसी भारतीय को ईश्वर पर विश्वास करने की सम्भावना १०० में······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

६ — किसी स्नातक द्वारा प्रतिवर्ष कम-से-कम एक पूरी किताब पढ़ी जाने की सम्भावना १०० मे····· है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चत, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

७ — अठारह साल के लोगों को मतदान देने का अधिकार मिलने की सम्भावना १०० में······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

८ — किसी मध्यम परिवार के दम्पती द्वारा सप्ताह में एक बार सिनेमा जाने की सम्भावना १०० में······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

९ — बिहार के किसी नेता के प्रधानमंत्री बनने की सम्भावना १०० में ······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

१० — किसी भारतीय द्वारा छुट्टी बिताने के लिए अन्य किसी ठंढे स्थान में जाने की सम्भावना १०० में······ है।
पूर्ण निश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

११ — किसी धर्मपरायण भारतीय को तीन से अधिक बच्चे होने की सम्भावना १०० में······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

१२ — प्रत्येक भारतीय बच्चे को पौष्टिक आहार मिलने की सम्भावना १०० मे······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत:, निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

१३ — एम० ए० पास करके किसी के विदेश मे शिक्षा प्राप्त करने की सम्भावना १०० ······मे है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

१४ — एक बच्चे को जिसे मां-बाप का प्यार नहीं मिला, आगे चलकर पागल होने की सम्भावना १०० मे······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित।

१५ — हिन्दुस्तान से धर्मभेद मिट जाने की सम्भावना १०० मे······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित अनिश्चित।

१६ — भारत से घुसखोरी खतम होने की सम्भावना १०० मे······है।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यत: निश्चित, कुछ निश्चित अनिश्चित।

१७ — प्रत्येक हिन्दुस्तानी कम-से-कम दो भाषा जाने, इसकी सम्भावना १०० में······है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

१८ — पहली नौकरी में प्रवेश करने के बाद किसी व्यक्ति का उसी में बराबर रह जाने की सम्भावना १०० में······है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

१९ — छोटे व्यवसाय का दो साल के भीतर बन्द होने की सम्भावना १०० में ·····है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

२० — भारत से अपराध के बिल्कुल समाप्त हो जाने की सम्भावना १०० में····· है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

२१ — पहली सन्तान के लड़का होने की सम्भावना १०० में ·····है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

२२ — भारत में सभी लोगों के पास कार होने की सम्भावना १०० में ······है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

२३ — भारत में सभी औरतें एम० ए० तक शिक्षा प्राप्त करेंगी इसकी सम्भावना १०० में······है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

२४ — बिहार के सभी गाँवों में पक्की सड़क होने की सम्भावना १०० में······है ।
पूर्णनिश्चित, निश्चित, सामान्यतः निश्चित, कुछ निश्चित, अनिश्चित ।

खण्ड-५

APPENDIX - E

निर्देश

नीचे कई वाक्य दिए गए है । प्रत्येक वाक्य के साथ तीन विकल्प (उत्तर) दिए गए है । इनमें से आपको किन्हीं दो विकल्पों को चुनना हैं—एक जो सबसे अधिक तथा दूसरा जो सबसे कम आपको पसन्द हो । कृपया उस उत्तर की बायीं ओर सही निशान (✓) लगा दें जो आपको सबसे अधिक पसन्द हो और आपके व्यवहार के अनुकूल हो । ठीक इसी तरह एक दूसरा उत्तर चुनें जो आपको सबसे कम पसन्द हो एवं आपके व्यवहार को सबसे कम प्रकट करता हो । इस उत्तर की बायीं ओर क्रॉस चिन्ह (X) लगा दें । ध्यान रहे कि तीनों उत्तर समान रूप से अच्छे है क्योंकि यहाँ सही गलत का कोई प्रश्न नहीं है ।

उत्तर देते समय अधिक सोचने विचारने की आवश्यकता नही है । कृपया जितनी जल्द हों सके, उत्तर देते जायें ।

१ — जीवन के बड़े सुखों में एक है················
(क) आपके कार्यों के लिए प्रतिष्ठा ।
(ख) किसी कार्य को अच्छी तरह सम्पन्न करने का सुख ।
(ग) दोस्तों की संगति का सुख ।

२ — मुझे वैसा व्यवसाय पसन्द है जिसमें··············
(क) पर्याप्त अधिकार और अच्छी आमदनी मिले ।
(ख) अधिकाधिक लोगों से मिलने का मौका मिले ।
(ग) अपनी योग्यता एवं कुशलता को बढ़ाने का अवसर मिले ।

३ — सबसे अच्छे शिक्षक वे हैं जो···········
(क) आप मे व्यक्तिगत रूचि लेकर मदद करते हों ।
(ख) विषय को इतना रुचिकर बनाते हों कि अधिक-से-अधिक जानने की इच्छा जगे ।
(ग) क्लास मे ऐसे वातावरण का निर्माण करते हो जहाँ आप अपने विचारो को स्वतंत्रतापूर्वक व्यक्त कर सकें ।

४ — विद्यार्थी उन शिक्षकों को सम्मान नही देते जो··········
(क) तीखा व्यंग करते हों और कुछ लोगों से नफरत करते हों ।
(ख) उनके बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा जगाते हों ।
(ग) न तो अपनी बातों को समझा पाते है और न ही विषय मे रूचि लेते है ।

५ — मेरे सबसे अच्छे दोस्त वे है ···············
(क) जिनके साथ रहना सहज हो। (ख) जो मुझसे अच्छे प्रतिकार हों। (ग) जो मेरे प्रति वफादार हों।

६ — मै चाहता हूं लोग मुझे जानें ···········
(क) एक सफल व्यक्ति के रूप में। (ख) एक कार्यकुशल व्यक्ति के रूप से।
(ग) मेरे मित्रवत व्यवहार के लिए।

७ — मेरी इच्छा की (बस की) बात हो तो मै बनना चाहूंगा ···········
(क) एक वैज्ञानिक। (ख) एक समाजसेवी। (ग) एक उद्योगपति।

८ — मुझे आनन्द आता है ···········
(क) अपने दल के साथ रहने में। (ख) किसी कार्य को ठीक ढंग से पूरा करने के कारण उत्पन्न कुशलता की भावना से। (ग) अपनी उपलब्धियों की प्रशंसा पाने में।

९ — किसी समूह में कार्य करते समय मेरी इच्छा रहती है कि ···········
(क) समूह के नेतृत्व का मौका मिले। (ख) दूसरे लोगों की अपेक्षा मैं अधिक एवं अच्छा कार्य कर सकूं।
(ग) लोग अनुभव करें कि मैं बहुत ही अच्छे स्वभाव का हूं।

१० — मेरे कार्य तब अच्छे होते हैं जब ···········
(क) मै ऐसे लोगों के साथ काम करता हूं जो आपस में मिल-जुल कर काम करें।
(ख) कार्य अपनी रूचि के अनुसार हों। (ग) काम के लिए पुरस्कार मिले।

११ — मैं चाहता हूं ··· ··· ···
(क) दूसरों की प्रशंसा पाना। (ख) अपना कार्य अपनी संतुष्टि के साथ करना।
(ग) मनपसन्द दोस्तों के साथ रहना।

१२ — मै सबसे अच्छी तरह तब सीखता हूं जबकि शिक्षक ··· ···
(क) व्यक्तिगत रूप से मेरी ओर ध्यान देते हैं। (ख) मुझमें जिज्ञासा उत्पन्न कर अधिक कार्य की प्रेरणा देते हैं। (ग) उनके साथ या दूसरों के साथ विचार-विमर्श करना आसान बना देते है।

१३ — इससे कुछ बुरा नहीं हो सकता कि ··· ··· ···
[क] आपके स्वाभिमान को चोट पहुंचे। [ख] किसी महत्वपूर्ण कार्य में असफलता मिले।
[ग] आपकी मित्रता टूट जाय।

१४ — मै पसद करता हूं ··· ··· ···
[क] अपनी प्रशसा। [ख] सहयोगात्मक प्रयास। [ग] विवेकशील होना।

१५ — मैं बहुत परेशान हो जाता हूं ··· ···
[क] तीखी बहसों से [ख] अगर कोई बातों के अच्छे पहलू को स्वीकार नहीं करने की जिद्द करे।
[ग] वैसे व्यक्तियों से जो अपने आपको नीचे गिरा लेते है।

१६ — मैं चाहूंगा ··· ···
[क] दूससे लोग मुझे मित्र समझें। [ख] पारस्परिक कार्य पूर्ति में दूसरों की सहायता करना।
[ग] दूसरों की प्रशंसा प्राप्त करना।

१७ — मैं उस नेता को पसन्द करता हूं जो ··· ···
[क] कार्य सम्पन्न करा सके। [ख] अपने अनुयायियों से आदर पा सके। [ग] जिससे सम्पर्क स्थापित करना आसान हो।

१८ — अगर मुझे किसी बात पर निर्णय लेना ही हो तो चाहूंगा कि ··· ···
[क] एक समिति बनाकर सदस्यों की राय के अनुसार निर्णय लिया जाय [ध] स्वयं ही निर्णय लिया जाय।
[ग] निर्णय ऐसे हों जिन्हें हमारे बड़े/अधिकारी महत्व दें।

१९ — मैं ऐसी पुस्तकें पढ़ना पसन्द करूंगा ··· ···
[क] लोक व्यवहार संबंधी पुस्तकें। [ख] ऐतिहासिक रोमांस संबंधी पुस्तकें। [ग] कार्यकलाप संबंधी पुस्तकें।

२० — मैं पसन्द करूंगा ··· ···
[क] संगीत सीखना। [ख] संगीत गोष्ठी मे संगीत पेश करना। [ग] संगीत की रचना करना।

२१ — अवकाश के समय मेरे लिए यह कार्य संतोषप्रद होगा ··· ···

[क] रेडियो सुनना। [ख] जाने-पहचाने व्यक्तियों (दोस्तों) के साथ बातें करना। [ग] अपनी मनपसन्द कार्यों [हॉबी] में व्यस्त रहना।

२२ — मैं उस शिक्षक को पसन्द करता हूं जो ··· ···

[क] मुझे व्यक्तिगत रूप से सहायता करना पसन्द करें। [ख] बहुत मेहनती हों एवं कठिन काम को अपने हाथ में लेते हों। [ग] मस्त-मौला स्वभाव के हों।

२३ — जीवन में व्यक्ति का उद्देश्य होना चाहिए ··· ···

(क) सुख-सुविधाओं को प्राप्त करना। (ख) अपने कार्य क्षेत्र में कुशलता प्राप्त करना। (ग) एक समाज सेवी बनना।

२४ — मै चाहता हूं कि मै ऐसा काम करूँ ··· ···

[क] जिसमें कौशल की जरूरत हो। [ख] जो मित्रों के लिए हो। [ग] जिसमे मुनाफा हो।

खण्ड—६

APPENDIX-F

निर्देश

आगे के पन्नों में कई अपूर्ण वाक्य दिये गए हैं। हर एक वाक्य की पूर्ति अर्थपूर्ण ढंग से हो सकती है अगर आप दिए विकल्पों (Alternatives) में से किसी एक के साथ उनका सम्बन्ध जोड़ें। ध्यान रखे कि तीनों उत्तर अपूर्ण वाक्य को अर्थपूर्ण बनाने एवं पूरा करने के लिए समान रूप से अच्छे हैं। यहाँ सही या गलत का प्रश्न नहीं है क्योंकि न तो आपकी बुद्धि की जाँच है और न हिन्दी भाषा के व्यवहार करने की आपकी योग्यता की। आपको किन्ही दो विकल्पो को चुनना है, एक जो सबसे अधिक तथा दूसरा जो सबसे कम आपके वर्तमान पसन्द तथा मनोवृत्ति (attitudes) के अनुरूप है।

नीचे दिए गए उदाहरण को देखें :—

मै चाहता हूँ कि मैं—[अ] चीजों को साफ तथा तरीके से रखूं। [ब] दोस्तों के लिए काम करूँ।
[स] जिसमें कौशल की जरूरत हो ऐसा काम करूँ।

इनमें से कौन-सा उत्तर आपकी पसन्द को बताता है? अगर आप "चीजो को साफ तथा तरीके से रखना" अन्य दो क्रियाओं से अधिक पसन्द करते हैं तब आपको चाहिए कि उसके 'अ' अक्षर के चारो ओर गोल घेरा 'O' लगा दें। साथ-ही-साथ इसमें उस अक्षर के सामने (X) चिन्ह बना दें जो आपकी पसन्द को सबसे कम प्रकट करता है।

आगे के पन्नों के अपूर्ण वाक्य ऊपर दिए गए उदाहरण के समान ही है। प्रत्येक विकल्प उत्तर की बायीं ओर तीन अक्षर 'अ' 'ब' और 'स' हैं। उस अक्षर के चारो ओर गोल घेरा बना दें जो आपकी विशेषताओं से अधिक मिलता है। उस अक्षर के सामने क्रास(X) चिन्ह लगा दें जो आपकी विशेषताओं को कम प्रकट करता है।

कृपया ध्यान रखे कि आपके उत्तर आपके वर्तमान पसन्द एवं अनुभव को बतायें न कि आपके विचार में आपको क्या अनुभव करना चाहिए इसे प्रकट करें।

आपसे अनुरोध किया जाता है कि आप सभी प्रश्नों का उत्तर दें। किसी को भी न छोड़ें, जितनी जल्दी हो सके उतनी ही जल्दी उत्तर देते जायें।

१ — मै चाहता हूँ कि ··· ···

(अ) अपने दोस्तो एवं सहकर्मियों के प्रति वफादार रहूँ। (ब) अपने कार्य को सिलसिलेवार ढंग से करूँ। (स) हाथ मे लिए कार्य को यथाशक्ति अच्छा करूँ।

२ — किसी काम को पूरा करते समय मैं चाहता हूँ कि ··· ···

(अ) साफ-सुथरा रहूँ। (ब) उस काम को दूसरों से अधिक अच्छी तरह करूँ। (स) निश्चित समय से पहले पूरा करूँ।

३ — मेरी इच्छा होती है कि मै हमेशा ही ··· ···

(अ) कठिन कार्यों को करने में सफलता प्राप्त करूँ। (ब) दोस्तों के प्रति उदार रहूँ। (स) गरीबों और रोगियों के प्रति सहानुभूति रखूं।

४ — समूह मे काम करते समय मैं चाहता हूँ कि ··· ···

(अ) नेतृत्व करूँ। (ब) एक ही तरह के काम में दूसरों से आगे बढ़ जाऊँ। (स) हर काम को सिलसिलेवार ढंग से करूँ।

५ — मेरे जीवन का लक्ष्य है कि ··· ···

(अ) मैं अपने सफल कामों की संख्या बढ़ाऊँ। (ब) अपने राष्ट्र की सेवा करूँ। (स) समाज में ऊँचा स्तर प्राप्त करूँ

६ — प्राय: इच्छा होती है कि मैं ··· ···

(अ) गरीबों की उन्नति के लिए चुपचाप काम करूं । (ब) किसी महत्वपूर्ण काम मे सफल होऊँ । (स) ईश्वर का सच्चा भक्त बनूं ।

७ — मेरे मत के अनुसार आनन्द और सुख की प्राप्ति के लिए प्रत्येक को अवश्य ही चाहिए कि हम ··· ···

(अ) दान का समर्थन करे । (ब) जीवन की मूल सुख-सुविधाओं को प्राप्त करें । (स) अपनी उपलब्धियों को औरउन्नत करे ।

८ — मै जानना चाहता हूं कि ··· ···

(अ) जीवन मुक्ति का सबसे आसान रास्ता क्या है । (ब) मैं जो भी करूं उसमें किसी प्रकार सफलता पाऊँ ।
(स) ईमानदारी से धन जमा करने का क्या तरीका है ।

९ — मैं पसन्द करता हूं कि ··· ···

(अ) काल्पनिक, साहसिक और यात्रा सम्बन्धी कहानियाँ पढ़ूं । (ब) संसार के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करूं ।
(स) अपनी भावी जीविका पर विचार करूं ।

१० — मुझे विश्वास है कि मेरे लिए यह सम्भव है ··· ···

(अ) मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ बनूँ । (ब) सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करूं । (स) अपने हाथों में प्रर्याप्त अधिकार प्राप्त करूं ।

११ — मै अवश्य चाहता हूं कि मै ··· ···

(अ) एक लोकप्रिय समाज सुधारक बनूं । (ब) एक महान राजनीतिज्ञ बनूं । (स) कोई महत्वपूर्ण कार्य करूं ।

१२ — मै इस बारे में अधिक सचेत रहता हूं कि ··· ···

(अ) जहाँ तक सम्भव हो सत्यवादी बनूं । (ब) जिन्हें सचमुच सहायता की आवश्यकता है उनलोगों की सहायता करूं । (स) अपने काम या पेशे में एक बड़ा आदमी बनूं ।

१३ — मैं अपने को उनलोगों से अच्छा समझता हूं जो ··· ···

(अ) जीवन में कोई उद्देश्य नहीं रखते है । (ब) स्वभावतः असामाजिक है । (स) गैरजिम्मेदार है ।

१४ — मुझे बहुत खुशी होगी अगर मैं ··· ···

(अ) कुछ महत्वपूर्ण काम कर सकूं । (ब) बहुत अधिक जमा कर सकूं । (स) अपना मालिक खुद बन सकूं ।

१५ — मै उनलोगों की प्रशंसा करना पसन्द करता हूं जिन्होंने ··· ···

(अ) अपने जीवन को समाज सेवा में लगा दिया है । (ब) अपने कार्य क्षेत्र में प्रतिष्ठा प्राप्त की है । (स) जीवन में कुछ सिद्धान्त अपनाये ।

१६ — मै जो भी काम शुरू करता हूं उसके लिए ··· ···

(अ) आगे से ही योजना बनाता हूं । (ब) अपनी शक्ति भर अच्छा करना चाहता हूं । इसकी पूरी जिम्मेदारी लेना चाहता हूं ।

१७ — मै स्वभावत: ··· ···

(अ) चीजों को साफ-सुथरा और तरीके से रखता हूं । (ब) मित्रों के लिए काम करता हूं । (स) ऐसे कामों में हाथ डालता हूं जिनमें अधिक कुशलता की आवश्यकता होती है ।

१८ — मै चाहता हूं कि ··· ···

(अ) तकलीफ में पड़े हुए व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति एवं मैत्रीपूर्ण व्यवहार करूं । (ब) किसी पेशा का उच्च अधिकारी बनूं । (स) अपने हर एक कार्य को सिलसिलेवार ढंग से करूं ।

१९ — मेरी हमेशा बहुत इच्छा होती है कि मैं ··· ··· ···

(अ) किसी महान कार्य के लिए संघर्ष करूं । (ब) अलगाव तथा दूसरी सामाजिक बुराइयों को दूर करूं ।
(स) अपनी योग्यता को बढाऊँ ।

२० — मुझे बहुत अच्छा लगता है जबकि ··· ··· ···

(अ) मैं दूसरों को अपने व्यक्तिगत अनुभव सुनाता हूं । (ब) मुझे कोई कठिन काम करने को दिया जाता है ।
(स) मुझे दूसरों को सलाह देने के लिए आग्रह किया जाता है ।

२१ — मै प्राय: आकांक्षा करता हूं कि मैं ··· ···

(अ) एक ऐसा व्यक्ति बनूं जिसकी सफलतायें दूसरों को चकित करने वाली हों । (ब) एक बहुत ही धनी व्यक्ति बनूं । (स) एक मस्त-मौला व्यक्ति बनूं ।

२२ — मुझे सबसे अधिक खुशी उस समय होती है जब कि मैं ··· ···

(अ) दूसरों को दुखी देखता हूं। (ब) अपने काम में सफल होता हूं। (स) दूसरों के ध्यान का केन्द्र बन जाता हूं।

२३ — प्राय: मैं सोचता हूं कि मैं ··· ···

(अ) कुछ महान कार्य करूं। (ब) दुखियों एवं रोगियों की मदद करूं। (स) एक नेता की तरह सम्मानित होऊँ।

२४ — मैं चाहता हूं कि मैं इस योग्य बनूं जिससे कि ··· ···

(अ) उन लोगों को क्षमा कर सकूं, जिन्होंने मुझे ठेस पहुंचायी है। (ब) ऐसे शब्दों का प्रयोग कर सकूं जिसका अर्थ दूसरे लोग नहीं जानते हैं। (स) दूसरे लोगों की अपेक्षा मै अच्छा काम करूं।

२५ — मैं अनुभव करता हूं कि ··· ···

(अ) जब मैं परीक्षा में अपनी योग्यता के अनुसार नहीं कर पाता तो दुखी हो जाता हूं। (ब) जब किसी की मृत्यु का समाचार सुनता हूं तो दुखी हो जाता हूं। (स) अपने दोस्तों के साथ अन्याय हो तो देखकर क्रोधित हो जाता हूं।

२६ — मेरे जीवन की गोपनीय अभिलाषा है कि मै ... ...

(अ) सुखी विवाहित जीवन बिताऊँ। (ब) एक ऐसी नौकरी पाऊँ, जिसमें उच्च वेतन मिलता हो। (स) अपनी सफलताओं का एक उज्वल रिकार्ड कायम करूं।

२७ — मै कुछ ऐसा करना चाहता हूं ··· ···

(अ) जिसे दूसरे शायद ही कर सकें। (ब) जो मुझे धनी बना दे। (स) जिसे दूसरे लोग मेरे नेतृत्व की अभिव्यक्ति समझें।

२८ — मुझे बहुत सतुष्टि मिलती है जब मैं ··· ···

(अ) दूसरों का निरीक्षण और निर्देशन करता हूं। (ब) प्रतिष्ठित व्यक्तियो के साथ होता हूं। (स) बहुत कठिन कामों को हाथ में लेता हूं।

२९ — अधिकांश सामाजिक परिस्थितियों मे मै ··· ···

(अ) बहुत अधिक परम्परागत (Conventional) व्यवहार करने की कोशिश करता हूं। (ब) थोड़ी बहुत सामाजिक नियमों को नहीं मानता हूं। (स) दूसरों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करता हूं।

३० — जीवन में सबसे अधिक जो मै चाहता हूं वह है ··· ···

(अ) एक आदर्श पारिवारिक जीवन पाना। (ब) ऐसा काम करना जिसमे मेहनत की आवश्यकता हो।
(स) समाज में एक लोकप्रिय नेता बनना।

३१ — मै चाहता हूं दूसरे लोग मेरे बारे में सोचें कि मैं ··· ···

(अ) बहुत बुद्धिमान हूं। (ब) बहुत मेहनती हूं। (स) बहुत ही अच्छे स्वभाव का हूं।

३२ — मेरी योग्यता की जाँच में मुझे विश्वास है कि ··· ···

(अ) मैने जो अंक प्राप्त किए वे उचित ही थे। (ब) मैने जो अक प्राप्त किए वे मेरे कामों के सही सूचक नही थे। (स) मेरे शिक्षक ने दूसरो के साथ पक्षपात किया था।

३३ — मेरी इच्छा है कि वातावरण मेरे ··· ···

(अ) घर में अध्ययन के और अनुकूल होता। (ब) स्कूल का और अधिक प्रजातान्त्रिक होता। (स) शहर का और अधिक शांतिपूर्ण और स्वस्थ होता।

३४ — मै ··· ···

(अ) समय का पाबंद हूं तथा काम करने, स्कूल पहुंचने या किसी से मिलने इत्यादि में कभी देरी नहीं करता।
(ब) जो भी करता हूं साफ ढंग और संगठित रूप से करता हूं। (स) साहसिक हूं किन्तु अनावश्यक खतरे एवं जोखिम से दूर रहता हूं।

३५ — मैं सदैव सावधान रहता हूं कि ··· ···

(अ) अपने व्यवहार से सभी को प्रसन्न रखूं। (ब) जो काम मैं हाथ मे लूं उसे अपनी शक्ति भर अच्छी तरह से करूं। (स) मैं अपने कामों को अपने ही ढंग से करूं।

३६ — साधारणत: मेरी प्रवृति है कि मैं ··· ··· ···

(अ) कार्य को तब तक जारी रखूं जब तक समाप्त न हो जाय। (ब) दूसरों के निर्णयों का आलोचनात्मक विश्लेषण करूं। (स) बहुत सलीके से व्यवहार करूं।

३७ — किसी कठिन काम के शुरू करने के पहले मैं ··· ··· ···

(अ) दूसरों की सलाह लेना चाहूंगा। (ब) उसके हर पहलू की योजना बना लूंगा। (स)

३८ — मैं व्यग्र रहता हूं कि ··· ··· ···

(अ) अपनी त्रुटियों को जानूं जिससे कि मैं उसे दूर कर सकूं। (ब) कुछ वैसा करने के लिए जिसका अधिक महत्व हो। (स) मैं समूह के ध्यान का आकर्षण केन्द्र बनूं।

३९ — सामान्यतः कहा जा सकता है कि मैं ·········

(अ) आशावादी हूं। (ब) सहनशील हूं। (स) नम्र हूं।

४० — मैं प्रयत्न करता हूं कि मैं ··· ···

(अ) दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचाऊँ। (ब) रुकावटों को पार कर ऊँचा स्तर प्राप्त करूं। (स) दूसरों के आरोपों से बचूं।

४१ — मैं बहुधा लालायित हो जाता हूं कि मैं ··· ···

(अ) कठिन कामों को हाथ में लूं। (ब) नई जगहों, नये व्यक्तियों और नई चीजों को देखूं। (स) जो लोग दुखी हैं उनके प्रति सहानुभूति रखूं।

४२ — मुझे निश्चित विश्वास है कि दस वर्षों के बाद मैं ··· ···

(अ) सच्ची स्वतंत्रता प्राप्त कर लूंगा। (ब) बहुत कमाने लगूंगा। (स) अपने दोस्त मे माना हुआ अधिकारी बन जाऊँगा।

४३ — मैं ··· ···

(अ) उनलोगों के प्रति सहनशील हूं जो मुझे ठेस पहुंचाते हैं। (ब) नैतिक दृष्टिकोण से मैं एक ईमानदार (सत्) व्यक्ति हूं। (स) ऊँचे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए काम करने को दृढ़ हू।

४४ — मुझे आनन्द मिलता है जब ··· ···

(अ) मुझे किसी कठिन समस्या के समाधान के लिए लम्बे समय तक उसमें लगा रहना होता है। (ब) मैं मजाक पसन्द करने वालों के साथ रहता हूं। (स) मैं बच्चों के साथ रहता हूं।

४५ — मुझे खुशी होती है जब ··· ··· ···

(अ) मुझे दूसरों को कोई लाभ पहुचाने का अवसर मिलता है। (ब) मुझे दूसरों को हँसी-मजाक के द्वारा खुश करने का मौका मिलता है। (स) जब मैं कठिन काम सफलतापूर्वक समाप्त करता हूं।

४६ — मैं अधिक पसन्द करता हूं जब ··· ··· ···

(अ) अपने दोस्तों और दूसरों से प्रोत्साहन पाता हूं। (ब) मुझे सरल कार्य के बदले कठिन कार्य करना पड़ता है। (स) मुझे अपने से बड़े और अनुभवी लोगों का साथ मिलता है।

४७ — मैं अलग ही रहता हूं ··· ··

(अ) मस्त एवं गैर-जिम्मेवार मजा लूटने वालों से। (ब) मानसिक उलझनों एवं परेशानियो से। (स) उन परिस्थितियो से जो प्रतियोगितात्मक न हों।

४८ — मैं उस समय परेशान हो जाता हूं जब ··· ···

[अ] मैं अपने ही चलते दोषी ठहराया जाता हूं। [ब] इच्छित लक्ष्य पर पहुचने मे मैं सफल हो जाता हूं। [स] मेरी अवहेलना की जाती है या जब मुझे प्यार नहीं मिलता है।

४९ — मेरी धारणा है कि जब ··· ··· ···

[अ] नामी होने से अधिक अच्छा बिश्वासी होना है। [ब] न्याय से प्यार अधिक उचित है। [स] मेरा भविष्य मेरे द्वारा कोई महत्वपूर्ण काम करने पर निर्भर करता है।

५० — मैं समाधान करना चाहूंगा ··· ···

[अ]अपने देश की आर्थिक एव सामाजिक समस्याओ का। [ब] बहुत कठिन पहेलियों का। [स] उन समस्याओ का जो मुझे नया अनुभव दें।

खण्ड-७

निर्देश

नीचे कुछ ऐसी परिस्थितियों की चर्चा की गई है जो मनुष्य के जीवन में साधारणतया आती रहती है। अक्सर इन परिस्थितियों में व्यक्ति को किन्ही दो विपरीत सम्भावनाओं के बीच निर्णय लेना पड़ता है। जैसे एक काम ऐसा है जिसके करने से बहुत अधिक धन का लाभ होगा जबकि दूसरे में इसकी सम्भावना नहीं है। लेकिन पहले को पूरा करने की सम्भावना (chance) दूसरे की अपेक्षा बहुत ही कम है।

यहाँ आप इसी प्रकार की परिस्थिति को पायेंगें। आप कृपया उन हरेक को पढ़कर यह बतावें कि कम-से-कम कितनी उम्मीद रहने पर आप पहले काम को करने की सलाह देगें।

कृपया प्रत्येक परिस्थिति की सभी बातों को पढ़ें, मनन करें तथा अपने को उस परिस्थिति में रख कर निर्णय लेने का प्रयत्न करें।

कोई भी उत्तर गलत या सही नहीं है, बल्कि जो निर्णय आप लेगें, वही सही है। यह केवल अपने-अपने विचारों की बात है।

(१) १९७० के दशक में बहुत से विश्वविद्यालयों एवं विद्यालयों में छात्र हड़ताल पर गए। यह दशक छात्र असंतोष का दशक था। कहीं-कहीं तो दंगे भी हुए। एक शहर में, एक विद्यालय में बहुत ही जोर का छात्र-दंगा उभर पढ़ा। उस समय विद्यालय के प्रधानाध्यापक किसी दूसरे शहर में विद्यार्थी असन्तोष पर हो रहे प्रधानाध्यापकों के एक सम्मेलन में भाग लेने गए थे। हालांकि उन्होंने रेडियो तथा समाचार पत्रों से अपने विद्यालय में हुए दंगे का समाचार सुना पर उनके दूसरे अध्यापकों ने तथा ऑफिस कर्मचारियो ने टेलिफोन से उन्हें बतलाया की उनके लौट के आने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि परिस्थिति संभल रही है। इसके अलावे और लोग भी कैम्पस में हैं जो शायद परिस्थिति सम्हाल लेगें। फिर भी, इसकी सम्भावना भी कुछ हद तक तो है ही कि परिस्थिति बिगड़ सकती है।

कल्पना करें कि आप प्रधानाध्यापक को सलाह दे रहे हैं। नीचे परिस्थिति के सम्हल जाने की सम्भावना (चांस) के बारे में बतलाया गया है। आप बतलायें कि कितनी चांस रहने पर प्रधानाध्यापक को लौटने की आवश्यकता नहीं है।

१ — परिस्थिति के सम्हलने की चाहे जितनी भी सम्भावना हो प्रधानाध्यापक को वापस लौट आना चाहिए।
२ — १०० प्रतिशत तक की परिस्थिति के सम्हल जाने की संभावना की स्थिति में
३ — ७५ प्रतिशत तक की परिस्थिति के सम्हल जाने की सम्भावना की स्थिति में
४— ५० प्रतिशत तक की परिस्थिति के सम्हल जाने की सम्भावना की स्थिति में
५— २५ प्रतिशत तक की परिस्थिति के सम्हल जाने की सम्भावना की स्थिति में

(२) एक विश्वविद्यालय के कुलपति ने विचार किया कि परीक्षा-पद्धति में परिवर्त्तन किया जाय। प्रारम्भिक अवस्था में उन्होंने विचारा की अभी के परीक्षा-प्रश्नों की पद्धति बदल कर वस्तु-परक (Objective) प्रकार के प्रश्न दिये जाएँ। समस्या यह थी कि अनेक परीक्षा-केन्द्रों में शिक्षक भी परीक्षार्थीयों की सहायता करते थे। अगर ऐसा हुआ तो निम्न-श्रेणी के विद्यार्थी जो निम्न दर्जे के विद्यालयों में पढ़ते हैं वे भी काफी अच्छे नम्बरों से पास करेगें क्योंकि इस परीक्षा पद्धति में १०० प्रतिशत नम्बर आने की सम्भावना है। दूसरी ओर उन अच्छे विद्यालयों के अच्छे विद्यार्थी भी अच्छा अंक नहीं ला पायेगें जहां नकल करने की छूट नहीं दी गई हो। लेकिन अगर पद्धति अपनाई गई तो अनेक लाभ होने की सम्भावना हैं। मसलन, विद्यार्थी ज्यादा अध्ययन करेगें। ज्यादा प्रश्न पूछा जा सकता है। अंक देने में परीक्षक की मनमानी नहीं चलेगी, आदि।

मान लें, आप विश्वविद्यालय के कुलपति को सलाह दे रहे हैं। नीचे नई परीक्षा-विधि के सफल होने की सम्भावना के बारे में बतलाया गया है। आप बतलायें कि कम-से-कम कितना चांस रहने पर कुलपति को परीक्षा विधि में परिवर्तन करना चाहिए।

१ — चाहे कितनी भी सम्भावना हो परीक्षा-पद्धति में सुधार नहीं करना चाहिए।
२ — १०० प्रतिशत सफलता की सम्भावना हो तब परिवर्तन करना चाहिए।
३— ७५ प्रतिशत सफलता की सम्भावना हो तब परिवर्तन करना चाहिए।

४— ५० प्रतिशत सफलता की सम्भावना हो तब परिवर्तन करना चाहिए ।

५— २५ प्रतिशत सफलता की भी सम्भावना हो तब परिवर्तन करना चाहिए ।

(३) एक बी० ए० का छात्र को जिसे "ग्रेजुएट" होने में अभी एक साल का बिलम्ब है अपने बड़े भाई के ऑफिस में संयोग से क्लर्क की नौकरी मिल रही है। हांलाकि यह बहुत अच्छी नौकरी नहीं है तथा उन्नति की सम्भावना भी नहीं है पर, आजकल नौकरी जल्दी मिलती कहाँ है ? उसकी दुविधा है कि अगर वह अच्छी तरह बी० ए० कर ले तथा मिहनत करे तब किसी प्रतियोगिता (कम्पीटीशन) में बैठ सकता है और तब शायद सफल होने से कोई ऊँचे ओहते वाली नौकरी भी मिल सकती है। पर, यह तो 'चांस' पर निर्भर करता है। अगर बी० ए० के बाद "कम्पीट" नहीं कर सका तो अभी की आयी नौकरी भी हाथ से निकल जायगा।

कल्पना करें कि आप उस छात्र को सलाह दे रहे हैं। नीचे उस छात्र के 'कम्पीटीशन' में सफल होने के चांस के बारे में बतलाया गया है। आप बतलाएँ कि कम-से-कम कितना प्रतिशत की सम्भावना (चांस) रहने पर उसे नई नौकरी स्वीकार नहीं करना चाहिए—

१ — चाहे कितनी भी कम्पीट करने की सम्भावना हो नौकरी स्वीकार कर लेनी चाहिए।

२ — १०० प्रतिशत भी कम्पीट करने की सम्भावना हो तब नौकरी स्वीकार नहीं करनी चाहिए।

३ — ७५ प्रतिशत भी कम्पीट करने की सम्भावना हो तब नौकरी स्वीकार नही करनी चाहिए।

४ — ५० प्रतिशत भी कम्पीट करने की सम्भावना हो तब नौकरी स्वीकार नही करनी चाहिए।

५ — २५ प्रतिशत भी कम्पीट करने की सम्भावना हो तब नौकरी स्वीकार नहीं करनी चाहिए।

(४) मान लीजिए एक मध्यम वर्ग के परिवार का युवक हायरसेकेन्डरी की परीक्षा में बैठने वाला है। इस परीक्षा में अगर वह ८० % अंक ले आया तो Medical कॉलेज में दाखिला (ऐडमिशन) मिल जायगा। वर्ग के सभी छात्र सभी विज्ञान विषयों एवं गणित के लिए ट्यूशन ले रहें हैं ऐसे वह पढ़ने में बहुत ही अच्छा है शुरू से प्रथम आ रहा है। वह सोचता है, वह स्वयं परीक्षा की तैयारी कर ऊँची सफलता प्राप्त करे लेकिन शिक्षकों एवं मित्रों का कहना है कि वह ट्यूशन ले ले। साधारण आर्थिक स्थिति होते हुए भी पिता उससे दो-तीन बार ट्यूशन के लिए पूछ चुके है। सबो के अनुसार बिना ट्यूशन पर्याप्त अंक (८० %) आना मुश्किल है। किन्तु, फिर ट्यूशन पढ़ने से ८०% अंक आ ही जाए इसकी भी गारंटी कहां है। ऐसा भी संभव है कि वह ट्यूशन के लिए जाय भी और पर्याप्त अंक उसे न मिले।

कल्पना करें आप उस छात्र को सलाह दे रहे हैं। नीचे बिना ट्यूशन के ऊँची सफलता प्राप्त करने के चांस के विषय में बताया गया है। आप बताइये कि कम-से-कम कितना चांस रहने पर उसे ट्यूशन नही करना चाहिए।

१. — ८० प्रतिशत अंक पाने के चांस चाहे जितनी भी हो उसे ट्यूशन ले लेनी चाहिए।

२. — १०० चांस रहने से उसे ट्यूशन ले लेनी चाहिए।

३. — ७५ चास रहने से उसे ट्यूशन ले लेनी चाहिए।

४. — ५० चांस रहने से उसे ट्यूशन ले लेनी चाहिए।

५. — २५ चांस रहने से उसे ट्यूशन ले लेनी चाहिए।

(५) एक युवक जो इंजीनियरिंग का छात्र तथा अपने माँ-बाप का अकेला बेटा है, इंजीनियर बनने के बाद फैक्ट्री बिठाना चाहता है। लेकिन पिता का कहना है कि वह पढ़ाई छोड़कर तथा फैक्ट्री का विचार छोड़कर दूकान में बैठे। अगर फैक्ट्री खोलेगा तो पिता के बाद दूकान कौन देखेगा। लेकिन दूकान में युवक की विशेष रूचि नहीं है। उसका कहना है कि वैसी स्थिति में "मैं दूकान बेच दूँगा तथा फैक्ट्री खोलुँगा।" लेकिन दूकान तो जमी हुई है। इसी से लाखों की आमदनी हो रही है। बाद मे पढ़-लिख कर फैक्ट्री खोलने से इज्जत तो मिल सकती है, ज्यादा आमदनी की भी सम्भावना है; पर अगर फैक्ट्री सफल नहीं हुई तो पढ़ने में लगा समय और खर्चे की बरबादी के साथ-साथ फैक्ट्री खोलने में लगी घर की पूँजी भी जाएगी।

कल्पना करें, आप उस युवक को सलाह दे रहे हैं। नीचे उस फैक्टरी के सफल होने के चांस के विषय में बतलाया गया है। आप बतलावे कि कम-से-कम सफल होने का कितना चांस रहने पर उसे दूकान बेच कर फैक्टरी खोलनी चाहिए।

१ — चांस चाहे जितनी भी हो उसे फैक्टरी नहीं खोलनी चाहिए।

२ — १०० प्रतिशत चांस रहने से उसे फैक्टरी खोलनी चाहिए।

३ — ७५ प्रतिशत चांस रहने से उसे फैक्टरी खोलनी चाहिए।

४ — ५० प्रतिशत चांस रहने से उसे फैक्टरी खोलनी चाहिए।

५ — २५ प्रतिशत चांस रहने से उसे फैक्टरी खोलनी चाहिए।

(६) मानलीजिए कुछ दिन पहले एक युवक का स्कूटर एक्सीडेंट में पांव बहुत घायल हो गया था। बहुत दिनों तक इलाज के बाद अब वह चलने-फिरने तो लगा है लेकिन कुछ लंगड़ाता है। डाक्टरों का कहना है कि 'ऑपरेशन' हो सकता है। किन्तु यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है कि 'ऑपरेशन' सफल-ही रहेगा। अगर सफल हुआ तो पहले की तरह चलने लगेगा और अगर सफल नहीं हुआ तो पैर और भी ज्यादा खराब हो सकता है।

कल्पना करें कि आप उस युवक को सलाह दे रहे हैं। बतलाएँ कि कम-से-कम कितना चांस रहने पर उसे 'ऑपरेशन' के लिए तैयार हो जाना चाहिए।

१ — चांस चाहे जितनी भी हो उसे ऑपरेशन नहीं करनी चाहिए तथा इलाज से जितना लाभ हो चुका है उसी से संतोष करना चाहिए।

२ — १०० प्रतिशत चांस हो तब ऑपरेशन करा लेनी चाहिए।

३ — ७५ प्रतिशत चांस हो तब ऑपरेशन करा लेनी चाहिए।

४ — ५० प्रतिशत चांस हो तब ऑपरेशन करा लेनी चाहिए।

५ — २५ प्रतिशत चांस हो तब ऑपरेशन करा लेनी चाहिए।

(७) मान लें कि राम एक M. A. इतिहास का मेधावी छात्र है तथा प्रथम श्रेणी में उच्च-स्थान प्राप्त करना चाहता है। पिता की बिमारी के कारण पर्याप्त अध्ययन नहीं कर पाया है अतः उसे भय है कि कहीं परीक्षा में अच्छा स्थान न पा सके। वह सोचता है कि इस साल परीक्षा न दे और अगले साल पूरी तैयारी के साथ परीक्षा दे। पर भविष्य कौन जानता है? अगले साल की परिस्थति भी तो अनिश्चित ही है। हो सकता है फिर कोई परेशानी आ जाय।

कल्पना करें, कि आप उस छात्र (राम) को सलाह दे रहें है। नीचे परीक्षा में उसके उच्च स्थान प्राप्त करने के 'चांस' के विषय में बतलाया गया है। आप बतलायें कि कम-से-कम कितना 'चांस' रहने पर उसे परीक्षा में सम्मिलित होना चाहिए।

१ — चांस चाहे जितनी भी हो उसे परीक्षा नहीं देनी चाहिए।

२ — १०० प्रतिशत चास रहने से परीक्षा दे देनी चाहिए।

३ — ७५ प्रतिशत चास रहने से भी परीक्षा दे देनी चाहिए।

४ — ५० प्रतिशत चांस रहने से भी परीक्षा दे देनी चाहिए।

५ — २५ प्रतिशत चांस रहने से भी परीक्षा दे देनी चाहिए।

(८) एक युवक दूर-दर्शन(T.V.) पर प्रतियोगिता में भाग लेता है तथा सभी प्रश्नों का सही उत्तर देकर इनाम में एक 'स्टिरियो' (टू-इन-वन) प्राप्त करने में सफल हो जाता है। लेकिन उसी समय संजोजक उसे एक चुनौती और देता है कि अगर वह एक प्रश्न और हल करे तो उसे 'स्टिरियो' के साथ-साथ एक ब्लैक-एन्ड-ह्वाईट T.V. सेट भी दिया जायेगा। लेकिन अगर वह सवाल नहीं हल कर सका तो उसे 'स्टिरियो' से भी हाथ धोना पड़ेगा।

कल्पना करें, कि आप उस युवक को सलाह दे रहे हैं। नीचे युवक के सफल होने के 'चांस' के विषय में बतलाया गया है। आप बतलायें कि कम-से-कम कितना 'चांस' रहने पर उसे उस सवाल का हल करने के लिए तैयार होना चाहिए।

१ — चांस चाहे जितना भी हो उसे प्रश्न का हल नहीं करना चाहिए।

२ — १०० प्रतिशत चांस रहने से भी प्रश्न हल करने को तैयार होना चाहिए।

३ — ७५ प्रतिशत चांस रहने से भी प्रश्न हल करने को तैयार होना चाहिए ।

४ — ५० प्रतिशत चांस रहने से भी प्रश्न हल करने को तैयार होना चाहिए ।

५ — २५ प्रतिशत चांस रहने पर भी प्रश्न हल करने को तैयार होना चाहिए ।

(९) एक पर्वतारोही दल के सामने पर्वत चोटी तक पहुंचने के लिए दो मार्ग हैं । मार्ग-१ सुरक्षित है मगर काफी लम्बा और समय लेने वाला है एवं पहले भी कई दल उसके द्वारा चोटी तक पहुंच चुके हैं । जबकि मार्ग-२ छोटा है और कम समय में चोटी तक पहुंचता है परन्तु वह बहुत ही दुर्गम है और उससे जाने पर जान का खतरा है । आज तक कोई भी दल इस मार्ग द्वारा चोटी तक पहुंचने में सफल नहीं हुआ है, अतः अगर यह दल मार्ग-२ द्वारा चोटी तक पहुंचता है तो उसके लिए एक विशेष उपलब्धि और सम्मान की बात होगी पर खतरे की भी पर्याप्त सम्भावना है । यह भी सम्भव हैं कि दल चोटी तक पहुंच ही न पाए ।

कल्पना करें, आप उस पर्वतारोही दल के नेता को सलाह दे रहे हैं । नीचे उस दल के सफल के होने चांस के बारे में बतलाया गया है । आप बतलायें की कम-से-कम कितना चांस रहने पर आप मार्ग-२ से उसे दल को जाने की सलाह देगें ।

१ — सम्भावना चाहे जितनी भी हो दल को उस मार्ग-२ से चोटी पर नहीं जाना चाहिए ।

२ — १०० प्रतिशत की सफलता की सम्भावना होने से मार्ग-२ से चोटी पर जाना चाहिए ।

३ — ७५ प्रतिशत की सफलता की सम्भावना होने से मार्ग-२ से चोटी पर जाना चाहिए ।

४ — ५० प्रतिशत की सफलता की सम्भावना होने से मार्ग-२ से चोटी पर जाना चाहिए ।

५ — २५ प्रतिशत की सफलता की सम्भावना होने से मार्ग-२ से चोटी पर जाना चाहिए ।

(१०) एक व्यक्ति को दो जगहों पर नौकरी मिली है जिसमें से उसे एक चुनना है । एक नौकरी मिली है समुद्र में खनिज ढूढ़ने वाले जहाज पर गोताखोर के रूप में जहाँ उसे बहुत अधिक वेतन और सुविधाएँ (जीवन बीमा आदि के साथ) मिलेगी । मगर इस नौकरी में जान का बहुत खतरा है । दूसरी जगह उसे एक मालवाहक जहाज कम्पनी में क्लर्क की नौकरी मिली है जहाँ वेतन एवं अन्य सुविधाएँ कम है परन्तु जीवन जोखिम भरा नहीं है ।

मान लीजिए आप उस व्यक्ति को सलाह दे रहे हैं । जीवन सुरक्षित रहने के कम-से-कम कितना चांस रहने पर उस व्यक्ति को गोताखोर वाली नौकरी स्वीकार करनी चाहिए ।

१ — किसी भी हालत में उसे गोताखोर वाली नौकरी नहीं स्वीकार करनी चाहिए ।

२ — १०० प्रतिशत सुरक्षा की सम्भावना हो तो स्वीकार करनी चाहिए ।

३ — ७५ प्रतिशत भी सुरक्षा की सम्भावना हो तो स्वीकार करनी चाहिए ।

४ — ५० प्रतिशत भी सुरक्षा की सम्भावना हो तो स्वीकार करनी चाहिए ।

५ — २५ प्रतिशत भी सुरक्षा की सम्भावना हो तो स्वीकार करनी चाहिए ।